प्रकाशनार्थ।

03 अक्टूबर ,2023

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 54 वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 9 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतर्गत आज समापन के अवसर पर ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं ब्रह्मलीन अवेद्यनाथ जी महाराज को सामाजिक सांस्कृतिक संगठनों की तरफ से श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में गोरक्षपीठाधीश्वर परम पूज्य महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यहां साप्ताहिक कार्यक्रम में जो भी विषय रहे है उसका केंद्र देश और धर्म पर केन्द्रित था जो कि पूज्य ब्रह्मलीन महंतद्वय के जीवन का भी केंद्र रहा। इन दोनों पूज्य संतों का जीवन भारत और भारतीयता के लिए, सामाजिक जीवन मूल्यों के लिए एवं राष्ट्र कल्याण के लिए ही रहा है। इन दोनों संतों ने जिन परिस्थितियों में कार्य किया वे चुनौती पूर्ण थे। उस समय देश में जो दुष्प्रवृतियां थी उनके खिलाफ मुखर होकर इन्होंने कार्य किया, जिसकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। आज के इस अवसर पर उनके संकल्पों के अनुरूप गोरक्षपीठ पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी इस विश्वास के साथ मैं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

रोहतक हरियाणा से पधारे अलवर राजस्थान के सांसद महंत बालकनाथ जी महाराज ने कहा कि आज हमारा वंश जिस धरातल पर टिका हुआ है ,उस धरातल को निर्माण करने में बहुत बड़ा श्रेय इस गोरक्षपीठ का रहा है। पूज्य महंत दिग्विजयनाथ जी व पूज्य महंत अवेद्यनाथ जी के पदचिन्हों पर चलने वाले पूज्य योगी आदित्यनाथ जी को भी आने वाला समय एक ऐसे युगपुरुष के रूप में जानेगा जिनके हाथों में बुलडोजर होगा।

जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य महाराज जी ने कहा कि श्रद्धांजलि में श्रद्धा यज्ञ का सबसे बड़ा विधान है। यह श्रद्धा विश्वास का प्रतीक होता है । ऐसी श्रद्धा की अंजलि हम उन दोनों महापुरुषों के चरणों में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं । दोनों महापुरुषों ने इस राष्ट्र को एक करने में अपना अमूल्य योगदान दिया ।

नैमिषारण्य से पधारे स्वामी विद्या चैतन्य जी महाराज ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ जी ने देश के अंदर चाहे वह राम जन्मभूमि का विषय रहा हो या गो रक्षा का विषय रहा हो, उन्होंने आगे आकर नेतृत्व किया। आज महाराज जी हमारे बीच में नहीं है किंतु उनके संकल्पना को पूरा करने के लिए उन्होंने अपना योग्य उतराधिकारी दे कर गये, जो आज उनके सभी संकल्प को पूरा कर रहे हैं ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से गोरक्ष प्रांत के प्रांत प्रचारक सुभाष जी ने कहा कि गोरक्षपीठ के संत महापुरुषों की एक लंबी परंपरा है। सभी ने भारत के सामाजिक, धार्मिक व सांस्कृतिक पहचान के लिए कार्य किया है। "असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिगर्मय" का संदेश देने वाले पूज्य ब्रह्मलीन दोनों महंत जी को नमन करता हूं। उन सन्तों ने अपने जीवन को राष्ट्र का संगीत बनाकर राष्ट्र को समर्पित कर दिया।

देवरिया के सांसद डॉ रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि जब मैं छात्र जीवन में छात्र संघ का महामंत्री था,उस समय महंत दिग्विजनाथ जी ने मुझे राष्ट्रधर्म के साथ राजनीति करने और राष्ट्र के लिए जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। महंत अवेद्यनाथ जी ने सर्व समाज को जोड़ने के लिए छुआछूत जैसे अभिशाप को अपने प्रयासों से समाप्त किया।

डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि अयोध्या में बनने वाले भव्य श्रीराम मंदिर की कल्पना पूज्य दोनों महंत जी ने किया था ,आज उस भव्य राम मंदिर का निर्माण ही उन दोनों संतों के चरणों में सच्ची श्रद्धांजलि है।

अयोध्या से पधारे पूर्व सांसद महंत डॉ॰ रामविलास दास वेदांती ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ जी राष्ट्रसंत नहीं अपितु अंतर्राष्ट्रीय संत थे क्योंकि उन्होंने पूरे विश्व के हिंदुओं को राम जन्मभूमि के लिए जगा दिया था। जिस राम जन्मभूमि में राम लला के प्राकट्य का नेतृत्व महंत दिग्विजयनाथ ने किया उसके आंदोलन को महंत अवेद्यनाथ जी पूरे विश्व में आगे बढ़ाए।

अयोध्या से पधारे जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य ने कहा कि गोरक्षपीठ का समग्र विश्व के ऊपर जो उपकार है उसका प्रति उपकार करने का सामर्थ्य किसी में नहीं है। पूज्य दोनो संतो ने धर्म की स्थापना के लिए ही अवतार लिए थे। मैं उनके चरणों में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

सांसद रविकिशन ने कहा कि यह साप्ताहिक संगोष्ठी जो सनातन धर्म की मशाल जलाने का आयोजन है उसके लिए पूज्य महाराज जी को आभार व्यक्त करता हूं। मंहत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने मैकाले की शिक्षा पद्धति के खिलाफ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना किया। महंत अवेद्यनाथ जी ने रामजन्म भूमि की अध्यक्षता करते हुए कहा कि ,"याचना नही अब रण रण होगा " ऐसा नेतृत्व हमारे पूज्य महाराज जी के व्यक्तित्व में था।

महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि पूज्य दिग्विजयनाथ जी महाराज ने गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए अपने महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय का दान किया , जिसकी देन है की तत्कालीन युवा पीढ़ी को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला।

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि इस महाभूमि गोरक्षपीठ के महान दोनो संतो ने न केवल पूर्वांचल अपितु पूरे देश को भारत और भारतीयता के प्रति जागृत करने का कार्य किया।

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जे पी सैनी ने कहा कि श्री गोरक्षपीठ के पीठाधीश के रूप में महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने राष्ट्र की धार्मिक , आध्यात्मिक व सांस्कृतिक चेतना को पुर्नजागृत किया।

आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ए के सिंह ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी अपने गुरु गंभीरनाथ जी की छत्रछाया में देश की आजादी के लिए युवा क्रांतिकारियों का सहयोग करते थे तथा आजाद भारत में शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की, जिसको महंत अवेद्यनाथ जी ने पुष्पित और पल्लवित किया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष व पूर्व कुलपति प्रो उदय प्रताप सिंह ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ नाथ जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर इतना अवश्य कहूंगा कि वे सामाजिक समरसता के अग्रदूत थे। काशी में आयोजित सभा में जब काशी के डोम राजा ने अपने घर भोजन के लिए निमंत्रित किया तो सभी संत समुदाय को लेकर उनके घर गए और भोजन किया। हिंदू समाज को एक करने में उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी की तरफ से क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की तरफ से डॉ आर पी त्रिपाठी, चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज की तरफ से संरक्षक इं एस के अग्रवाल , दवा विक्रेता समिति से अध्यक्ष योगेंद्र दुबे , पंजाबी समाज की तरफ से गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष सरदार जसपाल सिंह , सिंधी समाज की तरफ से लक्ष्मण नारंग , व्यापार मंडल की तरफ से पूर्व महापौर सीताराम जायसवाल, थोक वस्त्र व्यवसाई की तरफ से राजेश निभानी जी ने दोनों ब्रह्मलीन महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पूर्वांचल के साथ राष्ट्र निर्माण में पूज्य दोनो ब्रह्मलीन महाराज जी ने अपना अमूल्य योगदान दिया है।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल भूषण के संस्थापक राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यस्मृति को समर्पित महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका 'विमर्श' का विमोचन मंचासीन अतिथि गण द्वारा किया गया।

सरस्वती वंदना तथा श्रद्धांजलि गीत महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस गोरखपुर की छात्राओं , वैदिक मंगलाचरण रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्षाष्टक पाठ गौरव तिवारी एवं आदित्य पांडेय, महंत अवेद्यनाथ स्त्रोतपाठ डॉ प्रांगेश मिश्र तथा संचालन माधवेंद्र राज ने किया।

कार्यक्रम में जगतगुरु रामानंदाचार्य महंत राजकमल दास वेदांती जी, महंत चेताईनाथ जी महाराज, महंत शेरनाथ जी बापू ,महंत सुरेश दास जी महाराज, महंत शिवनाथ जी महाराज, महंत कमलनाथ जी, स्वामीनारायण गिरी जी, महंत गंगादास जी ,महंत मिथलेशनाथ जी, महंत रवींद्रदास जी महाराज, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सांसद कमलेश पासवान,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, अंकुर राज त्रिपाठी, महेंद्र पाल सिंह,पूर्व मंत्री राजधारी सिंह , पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह व श्यामधनी राही प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।